3.00 P.M.

उठानी पड़ती है, को पर्याप्त मुआवजे का भुगतान करके उन्हें संरक्षण प्रदान करने तथा राज्य द्वारा उन्हें वृद्धावस्था पेंशन दिए जाने, उनकी ऋणग्रस्तता समाप्त किए जाने, उनकी उपज के लिए लाभकारी मूल्य निर्धारित किए जाने जैसे कल्याणकारी उपायों और तत्संगत अथवा उसके आनुषंगिक विषयों का उपबंध करने के लिए विधेयक को पुरःस्थापित करने की अनुमति दी जाए।

The question was put and the motion was adopted.

श्री बनवारी लाल कंछल: मैं इस विधेयक को पुरःस्थापित करता हूं।

The Constitution (Scheduled Castes) Order (Amendment) Bill, 2008

DR. EJAZ ALI (Bihar): Sir, I beg to move for leave to introduce a Bill further to amend the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950.

The question was put and the motion was adopted.

DR. EJAZ ALI: Sir, I introduce the Bill.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Now, Shri Ramdas Agarwal will continue.

The Science and Engineering Research Board Bill, 2008 – *contd.*

THE VICE-CHAIRMAN (PROF. P. J. KURIEN): Now I think Shri Agarwalji was speaking. Would you like to continue?

श्री रामदास अग्रवाल: उपसभाध्यक्ष महोदय, मैंने प्रारंभ में कहा था कि मैं इस बिल के समर्थन में खड़ा हुआ हूं। माननीय मंत्री जी ने एक बहुत महत्वपूर्ण बात कही है कि हमारी projects में delay होती है, उनके कार्यपालन में problem आती है और वह bureaucratic होती है। मैं माननीय मंत्री जी से पूछना चाहूंगा कि मि. सी. एन. राव ने, जो Prime Minister साहब के Advisory Council के head हैं, वर्ष 2005 में यह सिफारिश की थी कि इस प्रकार का एक बोर्ड बने, पर आज लगभग साढ़े तीन साल पूरे होने पर यह बिल प्रस्तुत किया गया है। उपसभाध्यक्ष महोदय, केवल बिल को लाने में इतना लंबा समय लगा, जब कि उन्हीं के एक Head of Advisory Council ने यह सलाह दी कि इसको तत्काल लगाया जाए। मेरी समझ में यह बात नहीं आती कि हम बोलते क्या हैं और होता क्या है।

उपसभाध्यक्ष महोदय, मैं यह बात इसलिए उठा रहा हूं, क्योंकि अभी बिल में जो प्रस्ताव है, उसमें भी बोर्ड का Chairman एक bureaucrat को ही बनाया जाएगा, जब कि खुद मि. राव ने जो कहा है, मैं उसे यहां quote करना चाहता हूं, "Even though the foundation is likely to have bureaucrats, an organisation managed mainly by scientists will be far more efficient than the present administrative structure." हम फिर इस बोर्ड को क्या उसी धारा में डालना चाहते हैं, जिसकी वजह से हमेशा projects में विलंब होता है?

उपसभाध्यक्ष महोदय, मैं दूसरी बात यह जानना चाहता हूं, चूंकि मैने पहले भी कहा है कि अनुसंधान का क्षेत्र अनंत है और जैसे ब्रह्माण्ड अनंत है, आकाश अनंत है, भगवान की माया अनंत है, वैसे ही अनुसंधान का क्षेत्र भी बहुत विराट-विराट है। उसकी सीमाएं तय करना मुश्किल है। जो दुनिया की एक हजार कंपनियां अनुसंधान के क्षेत्र में वर्ष 2007 में 492 बिलियन डॉलर खर्च कर चुकी हैं, उनके मुकाबले में हमारे देश में हमारी कंपनियां कितना काम कर पाएंगी, यह हमें जानना चाहिए, क्योंकि हमारे साधन सीमित हैं और उन सीमित साधनों में हम कितना काम कर पाएंगे, यह एक प्रश्नचिन्ह हमारे सामने शंका के रूप में खड़ा होता है।